<u>रा.ज.वि.अ. के संबंध में मंत्रालय की ई-किताब तैयारी के लिए जून 2016 तक की विषय-वस्तु अद्यतन स्थिति की प्रस्तुति</u>

संगठन/ विभाग का नाम	प्रधान गतिविधियाँ	प्रधान उपलब्धियाँ	मल्टीमीडिया ग्राफिक्स के उपयोग से प्रस्तुतीकरण
राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण	**क.प्रायद्वीपीय** **1.** जलाशयों/ उप-जलाशयों के जल संतुलन अध्ययन की तैयारी	137 जलाशयों/ उप-जलाशयों के जल संतुलन अध्ययन पूरे हो चुके है।	1.क 06.04.2015 को महानिदेशक, रा.ज.वि.अ. द्वारा मुख्य सचिव, जल संसाधन (ओडिशा) को वैकल्पिक अध्ययनों के साथ महानदी-गोदावरी बाढ़ शमन योजना पर प्रस्तुतीकरण पेश किया गया था। 2. 29.05.2015 को महानदी-गोदावरी लिंक परियोजना के वैकल्पिक प्रस्ताव पर अध्यक्ष, के.ज.आ. और महानिदेशक, रा.ज.वि.अ. के सहयोग से अपर सचिव, ज.सं., न.वि. और गं.सं. द्वारा मुख्य मंत्री, ओडिशा सरकार को एक प्रस्तुतीकरण पेश किया गया था। 3. 09.06.2015 को ज.सं., न.वि. और गं.सं. मंत्रालय, नई दिल्ली में महानिदेशक, रा.ज.वि.अ. द्वारा सचिव (ज.सं., न.वि. और गं.सं.) को नदियों के
	2. व्यपवर्तन बिन्दुओं के जल संतुलन अध्ययन की तैयारी	52 व्यपवर्तन बिन्दुओं के जल संतुलन अध्ययन पूरे हो चुके है।	
	3. जलाशयों की स्थलाकृति और भंडारण क्षमता अध्ययन की तैयारी	58 जलाशयों के स्थलाकृति और भंडारण क्षमता अध्ययन पूरे हो चुके है	
	4. लिंक संरेखण के स्थलाकृति अध्ययन की तैयारी	18 लिंक संरेखण के स्थलाकृतिपत्रक अध्ययन पूरी हो चुकी है	
	5. पूर्व सम्भाव्यता रिपोर्ट की तैयारी	18 पूर्व सम्भाव्यता रिपोर्ट पूरे हो चुके हैं।	
	6. 1983 से संभाव्यता रिपोर्ट की तैयारी की जा रही है। उस समय के सिंचाई मंत्रालय (अब जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय) और केन्द्रीय जल आयोग द्वारा तैयार किए गए जल संसाधन विकास की राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य के एक भाग के रूप में प्रायद्वीपीय नदियाँ विकास घटक प्रस्ताव की संभाव्यता स्थापित करने के लिए संभावी जलाशय स्थलों और अंतर-संपर्क लिंकों का विस्तृत सर्वेक्षण और अन्वेषण करना।	14 संभाव्यता रिपोर्ट पूरे हो चुके हैं।	
	7. नवम्बर 2006 से आरंभ किए गए लिंक परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (वि.प.रि.) की तैयारी	4 वि.प.रि, अर्थात केन-बेतवा लिंक परियोजना (चरण-I), केन-बेतवा लिंक परियोजना (चरण-II), दमनगंगा-पिंजल परियोजना और पार-तापी-नर्मदा लिंक परियोजना की वि.प.रि. पूरी हो चुकी है।	

	8. वैकल्पिक अध्ययन	महानदी-गोदावरी लिंक परियोजना महानदी-गोदावरी लिंक के मणिभद्रा बाँध में विचाराधीन जलमग्नावस्था के कारण ओडिशा सरकार की परेशानियों को हल करने के लिए रा.ज.वि.अ. ने महानदी-गोदावरी लिंक की संभाव्यता की जाँच की है। रा.ज.वि.अ. के महानिदेशक द्वारा कम जलमग्नता वाला मणिभद्रा -महानदी प्रस्ताव तैयार किया गया है और 6.4.2015 को मुख्य सचिव, ज.सं.वि., ओडिशा के साथ इस विषय पर चर्चा की गई है। 29.05.2015 को ओडिशा के माननीय मुख्य मंत्री के समक्ष भी यह प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था। उन्होंने प्रस्ताव की जाँच करवाने का आश्वासन दिया है। 03.02.2016 को भुबनेश्वर में महानदी-गोदावरी लिंक के संबंध में ओडिशा के माननीय मुख्य मंत्री के साथ माननीय मंत्री (ज.सं., न.वि. और गं.सं.) का साक्षात्कार आयोजित हुआ था।	अंतर्योजन (मानस-संकोष-तिस्ता लिंक) के संबंध में एक प्रस्तुतीकरण पेश किया गया था। 4. 12.06.2015 को ज.सं., न.वि. और गं.सं. मंत्रालय, नई दिल्ली में रा.ज.वि.अ. द्वारा माननीय मंत्री (ज.सं., न.वि. और गं.सं.) को अंत:राज्यीय नदियों के अंतर्योजन के संबंध में एक प्रस्तुतीकरण पेश किया गया था। 5. 22.06.2015 को ज.सं., न.वि. और गं.सं. मंत्रालय, नई दिल्ली में रा.ज.वि.अ. द्वारा सचिव (ज.सं., न.वि. और गं.सं.) को रा.ज.वि.अ. के कार्यों के बारे में एक प्रस्तुतीकरण पेश किया गया था।
	ख. हिमालय घटक **(1990-91 से आरंभ किया गया)**		
	1. जलाशयों/ उप-जलाशयों के जल संतुलन अध्ययन की तैयारी	.....	
	2. व्यपवर्तन बिन्दुओं के जल संतुलन अध्ययन की तैयारी	19 व्यपवर्तन बिन्दुओं के जल संतुलन अध्ययन पूरी की जा चुकी है।	
	3. स्थलाकृति पत्र एवं जलाशयों के भंडारण क्षमता अध्ययन की तैयारी	16 जलाशयों की स्थलाकृति और भंडारण क्षमता अध्ययन पूरे किए जा चुके है।	
	4. लिंक संरेखण के स्थलाकृतिक पत्रक अध्ययन की तैयारी	19 लिंक संरेखण के स्थलाकृतिक पत्रक अध्ययन पूरी की जा चुकी है	
	5. पूर्व सम्भाव्यता रिपोर्ट (पू.व्य.रि.) की तैयारी	14 पूर्व सम्भाव्यता रिपोर्ट (पू.व्य.रि.) पूरे किए जा चुके हैं।	

	6. उस समय के सिंचाई मंत्रालय (अब जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय) और केन्द्रीय जल आयोग द्वारा तैयार किए गए जल संसाधन विकास की राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य के एक भाग के रूप में हिमालयन नदियाँ विकास घटक प्रस्ताव की संभाव्यता स्थापित करने के लिए संभावी जलाशय स्थलों और अंतर-संपर्क लिंकों का विस्तृत सर्वेक्षण और अन्वेषण करना।	2 संभाव्यता रिपोर्ट {भारतीय भाग} पूरे किए जा चुके हैं। 7 मसौदा संभाव्यता रिपोर्ट (भारतीय भाग) भी पूरे किए जा चुके हैं।	
	7. वैकल्पिक अध्ययन	रा.ज.वि.अ. द्वारा एक विकल्प मानस-संकोष-तिस्ता-गंगा लिंक भिन्न मात्रा के कुछ लिफ्ट शामिल कर वन मुक्त मानस-संकोष-तिस्ता-गंगा लिंक पर काम किया गया है और इसकी संभाव्यता रिपोर्ट की तैयारी ज़ारी है। भिन्न अध्यायों की तैयारी पर फैसला लिया जा रहा है। मा.सं.ति.गं. के वैकल्पिक प्रस्ताव के लिए 23-25 जुलाई 2015 को मानस-संकोष-तिस्ता-गंगा लिंक के संकोष-तिस्ता फैलाव, तिस्ता बाँध, महानंदा बाँध और उनकी नहर प्रणाली का दौरा आयोजित किया गया था। 10.08.2015 को ज.सं., न.वि. और गं.सं. मंत्रालय, नई दिल्ली में अपर सचिव (ज.सं., न.वि. और गं.सं.) के अध्यक्षता में मा.सं.ति.गं. लिंक के संबंध में एक बैठक आयोजित की गई थी। इस परियोजना प्रस्ताव में माननीय मुख्य मंत्री, पश्चिम बंगाल का समर्थन हासिल करने के लिए दिनांक 31.12.2015 पत्र के माध्यम से माननीय मंत्री (ज.सं., न.वि. और गं.सं.) ने माननीय मुख्य मंत्री, पश्चिम बंगाल को एक पत्र लिखा है।	
	ग. राज्य सरकारों से प्राप्त अंतः राज्य लिंक प्रस्ताव		
	1. नवम्बर 2006 से पूर्व सम्भाव्यता रिपोर्ट आरंभ की गई है।	36 पूर्व सम्भाव्यता पूरे हो चुके हैं।	
	2. मई 2011 से बिहार राज्य सरकार के कहे अनुसार प्राथमिक परियोजना रिपोर्ट की तैयारी आरंभ की गई है।	बिहार सरकार के अनुरोध पर 2 प्रा.प.रि. पूरे किए जा चुके हैं।	
	3. मई 2011 से लिंक परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की तैयारी आरंभ की गई है।	2 वि.प.रि. अर्थात, कोसी-मेची परियोजना और गंडक-नोन-बाया-गंगा अंतःराज्य लिंक परियोजना पूरे किए जा चुके हैं। एक वि.प.रि. अर्थात, तमिलनाडु की पोन्नियार	

		-पलर लिंक पर फैसला ज़ारी है। 3 वि.प.रि. अर्थात, महाराष्ट्र की वेनगंगा-नलगंगा, झारखंड की बारकर -दामोदर-सुवर्णरेखा लिंक और ओडिशा की वमसधरा-ऋषिकुल्या (नंदनीनाला) अंतःराज्य लिंक पर कार्य ज़ारी है। गुजरात की दमनगंगा-साबरमती- चोरवाड अंतःराज्य लिंक पर कार्य आरंभ हुआ है।	
	(राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना) रा.प.यो. के अंतर्गत नदियों के अंतर्योजन की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की तैयारी के लिए राज्य सरकारों के मध्य मतैक्यता स्थापित करना **जून 2002 में सदस्य सचिव के रूप में महानिदेशक, रा.ज.वि.अ. सहित केन्द्रीय जल आयोग के अध्यक्ष की अध्यक्षता में जल संसाधन मंत्रालय द्वारा एक मतैक्यता समूह संस्थापित किया गया है। समूह की 11 बैठकें आयोजित की गई थी। इस समिति का नाम बदलकर 'समझौते के माध्यम से मतैक्यता निर्माण और संबंधी राज्यों के मध्य सहमति करार की उप-समिति' रखा गया है। इस उप-समिति ने 17.04.2015 और 30.10.2015 को दो बैठकें आयोजित की है।**	तीन लिंक, अर्थात, केन-बेतवा लिंक, दमनगंगा-पिंजल लिंक और पार-तापी-नर्मदा लिंक के लिए संबंधी राज्यों के मध्य मतैक्यता स्थापित किया जा चूका है। बाकी के लिंक परियोजनाओं के लिए संबंधी राज्यों के मध्य मतैक्यता निर्माण ज़ारी है।	
	जल संतुलन अध्ययन का परिशोधन	वर्ष 2015-2016 के दौरान 6 ज.सं.अ. पूरे किए गए हैं ज.सं.अ. का परिशोधन एक निरंतर जारी कार्य है।	
	राष्ट्रीय जल सम्मेलन का आयोजन	रा.ज.वि.अ. ने बारह राष्ट्रीय जल सम्मेलनों का आयोजन किया है जिससे जल संसाधन आयोजकों, विकासकर्ताओं और प्रबंधकों को एक मंच मिला है ताकि वे एकजुट होकर भिन्न पहलुओं पर अपने विचारों का साझा कर सके। पिछला सम्मलेन पुडूचेरी में 1-3 नवम्बर 2007 के दौरान आयोजित हुआ था।	
	माननीय मंत्री (ज.सं., न.वि. और गं.सं.) द्वारा संचालित रा.ज.वि.अ. की वार्षिक सामान्य बैठक (वा.सा.बै)	महानिदेशक, मुख्य अभियंता (मुख्यालय) एवं रा.ज.वि.अ. के वरिष्ठ अधिकारियों ने 22.06.2016 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में रा.ज.वि.अ. की 30 वीं वार्षिक सामान्य बैठक में अपनी उपस्थिति दर्ज की ।	
	माननीय मंत्री (ज.सं., न.वि. और गं.सं.)	महानिदेशक, मुख्य अभियंता (मुख्यालय)	

	द्वारा संचालित रा.ज.वि.अ. की विशेष सामान्य बैठक (वि.सा.बै.)	एवं रा.ज.वि.अ. के वरिष्ठ अधिकारियों ने 22.06.2016 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में रा.ज.वि.अ. की 5 वीं विशेष सामान्य बैठक में अपनी उपस्थिति दर्ज की ।	
	सचिव (ज.सं., न.वि. और गं.सं.) के अध्यक्षता में रा.ज.वि.अ. के शासी निकाय (सं.नि.) बैठक	13.06.2016 को श्रमिक समिति कक्ष मंत्रालय, नई दिल्ली में सचिव (ज.सं., न.वि. और गं.सं.) के अध्यक्षता के तहत रा.ज.वि.अ. की 63 वीं शासी निकाय की बैठक आयोजित हुई थी। इस बैठक में मुख्य सचिव, सचिव या राज्यों के प्रतिनिधि और ज.सं., न.वि. और गं.सं. मंत्रालय, कें.ज.आ. और रा.ज.वि.अ. के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।	
	एक तकनीकी शो केस कार्यक्रम के रूप में भारत जल सप्ताह का आयोजन पहली बार अप्रैल 2012 में भारत जल सप्ताह की परिकल्पना की गई और केन्द्रीय जल आयोग के साथ इसका आयोजन भी किया गया। अप्रैल 8-12, 2013 के दौरान विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 'प्रभावी जल प्रबंधन: चुनौतियाँ और अवसर' के विषय पर द्वितीय भारत जल सप्ताह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। 13-17 जनवरी 2015 के दौरान विज्ञान भवन, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में समान विषय 'निरंतर विकास के लिए जल प्रबंधन' पर तीसरा कार्यक्रम, अर्थात, भा.ज.स.-2015 आयोजित किया गया।	4-8 अप्रैल 2016 तक विज्ञान भवन और प्रगति मैदान, नई दिल्ली में जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय द्वारा चौथी भारत जल सप्ताह, अर्थात, भारत जल सप्ताह-2016 आयोजित किया गया था। जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय द्वारा भा.ज.स.-2016 के आयोजन का कार्य भार रा.ज.वि.अ. को सौंपा गया था। 4 अप्रैल 2016 को ज.सं., न.वि. और गं.सं. मंत्री ने भारत जल सप्ताह-2016 कार्यक्रम का उद्घाटन किया। भारत जल सप्ताह-2016 का विषय था "सबके लिए जल, साझा प्रयास"। 4-8 अप्रेल, 2016 तक भारत जल सप्ताह-2016 का सम्मलेन और प्रदर्शनी आयोजित हुआ था। इसमें सहभागी देश इजराइल था। समापन कार्यक्रम में भारत के माननीय राष्ट्रपति मुख्य अतिथि थे।	
	सभी स्त्रोतों से जल को एकीकृत दृष्टिकोण को अपनाते हुए और प्रकृति के साथ सामंजस्यता और पर्यायवरणीय एकरूपता का सम्मान करते हुए उपयोग योग्य जल की उपलब्धता को अधिकतम करने के उद्देश्य सहित विकास ढाँचा निर्माण कार्य के लिए उस समय के जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा डॉ एस.आर. हाशिम की अध्यक्षता में और सदस्य सचिव के रूप में	राष्ट्रीय एकीकृत जल संसाधन विकास आयोग ने फरवरी 1997 में अपना कार्य आरंभ किया। कार्यरत भिन्न समूहों द्वारा कुल मिलाकर 76 बैठकों का आयोजन किया गया था और इसके उप-समूहों द्वारा 13 बैठकों का आयोजन किया गया था। सितम्बर, 1999 में दो भागों में राष्ट्रीय आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी। भाग-I में मुख्य रिपोर्ट शामिल थी जो पंद्रह अध्यायों में वर्गीकृत थी और भाग-II में मानचित्र थे।	

	महानिदेशक, रा.ज.वि.अ. सहित संस्थापित एकीकृत जल संसाधन विकास योजना का राष्ट्रीय आयोग बनाया गया जिस को सचिवालयिक और तकनीकी सहायता रा.ज.वि.अ. प्रदान की गई थी।		
	तकनीकी सलाहकार समिति	23.05.2016 को कें.ज.आ., नई दिल्ली में रा.ज.वि.अ. की 42 वीं तकनीकी सलाहकार समिति की बैठक में महानिदेशक, मुख्य अभियंता (मुख्यालय) और रा.ज.वि.अ. के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।	
	उप-सभापति के रूप में श्री सी.सी. पटेल (भूतपूर्व सचिव, ज.सं.मं.) और सदस्य सचिव के रूप में डॉ ई.डी. ठट्टे (भूतपूर्व सचिव, ज.सं.मं.) सहित उस समय के सांसद श्री सुरेश पी. प्रभू की अध्यक्षता में स्थापित "नदियों के अंतर्योजन के लिए कार्य बल" को सचिवालयी एवं तकनीकी सहायता रा.ज.वि.अ. प्रदान की गई। ज.सं., न.वि. और गं.सं. मंत्रालय द्वारा अप्रैल 13, 2015 को श्री बी.एन. नवलावाला, मुख्य सलाहकार, ज.सं., न.वि. और गं.सं.मं. के अध्यक्षता के अंतर्गत नदियों के अंतर्योजन के लिए नए कार्य बल का निर्माण हुआ है।	13.12.2002 को कार्य बल का गठन किया गया था। कार्य बल में 12 बैठकें आयोजित की और दो कार्यवाही चरण-I और चरण-II जमा की और अतः अपनी भूमिका निभाई। 31.12.2004 से प्रभावी रूप से ज.सं.मं. द्वारा इसे परिसमाप्त किया गया था। नदियों के अंतर्योजन के लिए नए कार्य बल की पहली बैठक 23.04.2015 को ज.सं., न.वि. और गं.सं. मंत्रालय, नई दिल्ली में आयोजित हुई थी। नदियों के अंतर्योजन के लिए कार्य बल की दूसरी बैठक 05.11.2015 को श्रम शक्ति भवन, ज.सं., न.वि. और गं.सं. मंत्रालय, नई दिल्ली में आयोजित हुई थी। नदियों के अंतर्योजन के लिए कार्य बल की तीसरी बैठक 28.04.2016 को के.ज.आ., नई दिल्ली में आयोजित हुई। "नदियों के अंतर्योजन के लिए कार्य बल" की चौथी बैठक 15.06.2016 को के.ज.आ., नई दिल्ली में आयोजित हुई।	
	वर्ष 2013 में 'जल संरक्षण वर्ष' का आयोजन। उस समय के जल संसाधन मंत्रालय ने रा.रा.क्षे. दिल्ली में जग जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित करने के लिए राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (रा.ज.वि.अ.) को प्रधान संगठन के रूप में मनोनीत किया था।	वर्ष 2013 के पूरे साल भर में अन्य संबंधी संगठनों सहित रा.ज.वि.अ. द्वारा दिल्ली में कई श्रृंखला की गतिविधियों/ कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था।	

	रा.ज.वि.अ. के महानिदेशक की अध्यक्षता में एक आयोजन समिति का गठन किया गया था।		
	भारत अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य मेला, नई दिल्ली में ज.सं., न.वि. और गं.सं.मं. पवेलियन की सहभागिता।	रा.ज.वि.अ. प्रत्येक वर्ष भारत अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य मेला, नई दिल्ली में भाग लेता है।	
	दिनांक 23.09.2014 की राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से नदियों के अंतर्योजन के लिए जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय द्वारा सदस्य सचिव के तौर पर ज.सं., न.वि. और गं.सं. के माननीय केंद्रीय मंत्री की अध्यक्षता में और महानिदेशक, रा.ज.वि.अ. को सदस्य सचिव बनाकर एक विशेष समिति का संस्थापन किया गया है। विशेष समिति की बैठकों के दौरान महत्वपूर्ण निर्णय लिये जाते हैं। नदियों के अंतर्योजन की विशेष समिति की प्रथम बैठक में चार विशिष्ट उप-समितियाँ संस्थापित करने का निर्णय लिया गया था 1. भिन्न अध्ययनों/ रिपोर्ट के विस्तृत आकलन के लिए एक उप-समिति 2. सबसे उपयुक्त वैकल्पिक योजना की पहचान के प्रणाली अध्ययन के लिए एक उप-समिति 3. समझौते के ज़रिए सर्वसम्मति हासिल करने और संबंधी राज्यों के मध्य सर्वसम्मति हासिल करने के लिए उप-समिति 4. राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण के पुनर्गठन के लिए एक उप-समिति	विशेष समिति के सचिवालय के रूप में रा.ज.वि.अ. ने बैठक के दौरान तार्किक एवं अन्य सभी व्यवस्थाओं में सहायता प्रदान की। अब तक नदियों के अंतर्योजन (न.के.अं.) की विशेष समिति की नौ बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं, ये बैठकें अक्टूबर 17, 2014, जनवरी 6, 2015, मार्च 19, 2015, मई 14, 2015, जुलाई 13, 2015, सितम्बर 15, 2015, नवम्बर 18, 2015, फरवरी 08, 2016 और अप्रेल 29, 2016 को आयोजित की गईं ।	
	(i) भिन्न अध्ययनों/ रिपोर्ट के विस्तृत आकलन के लिए उप समिति	के.ज.आ., नई दिल्ली में 26.02.2015, 11.03.2015, 07.04.2015, 30.06.2015, 21.08.2015 और 29.09.2015 को अब तक उप-समिति की छह बैठकें आयोजित हो चुकी है।	
	(ii) सबसे उपयुक्त वैकल्पिक योजना की पहचान के प्रणाली अध्ययन के लिए उप-समिति	के.ज.आ., नई दिल्ली में 26.02.2015, 12.03.2015, 07.04.2015, 11.05.2015, 28.07.2015, 21.08.2015, 29.09.2015 और 13.05.2016 को अब तक उप-समिति-II की आठ बैठकें आयोजित हो चुकी है।	

	(iii) समझौते के ज़रिए मतैक्यता हासिल करने और संबंधी राज्यों के मध्य एकमत्य हासिल करने के लिए उप-समिति	के.ज.आ., नई दिल्ली में 17.04.2015 और 30.10.2015 को अब तक उप-समिति-III की दो बैठकें आयोजित हो चुकी है।	
	(iv) राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण के पुनर्गठन के लिए एक उप-समिति	उप-समिति-IV की सात बैठकें, 25.02.2015, 10.03.2015, 11.06.2015-12.06.2015, 29.06.2015, 10.07.2015, 12.08.2015 और 10.09.2015 को बैठकें आयोजित की गई है। राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण की पुनर्गठन उप-समिति ने 21.09.2015 को ज.सं., न.वि. और गं.सं.मं. के समक्ष अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। अपनी छठी बैठक के दौरान विशेष समिति ने फैसला किया कि रा.ज.वि.अ. के पुनर्गठन पर उप-समिति की संस्तुतियों पर ज.सं., न.वि. और गं.सं.मं. द्वारा जाँच किया जा सकता है। 30.05.2016 को ज.सं., न.वि. और गं.सं. मंत्रालय, नई दिल्ली में माननीय मंत्री (ज.सं., न.वि. और गं.सं.) की अध्यक्षता में आयोजित रा.ज.वि.अ. के पुनर्गठन के प्रस्तुतीकरण बैठक में महानिदेशक एवं मुख्य अभियंता (मुख्यालय), रा.ज.वि.अ. उपस्थित थे।	30.05.2016 को ज.सं., न.वि. और गं.सं. मंत्रालय, नई दिल्ली में माननीय मंत्री (ज.सं., न.वि. और गं.सं.) के अध्यक्षता के अंतर्गत रा.ज.वि.अ. के पुनर्गठन का प्रस्तुतीकरण दिया गया था।
	अंतःराज्यीय नदियों के अंतर्योजन के समूह की बैठक और अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुति	दिनांक 12.03.2015 के कार्यालय ज्ञापन के माध्यम से जल संसाधन, न.वि. और गं.सं. मंत्रालय ने श्री ए.डी. मोहिले, भूतपूर्व सभापति, केन्द्रीय जल आयोग के अध्यक्षता में अंतःराज्यीय नदियों के अंतर्योजन के लिए एक समूह का गठन किया। इस समूह ने 31.03.2015, 09.04.2015, 27.04.2015, 30.04.2015, 06.05.2015, 15.05.2015, 19.05.2015 और 22.05.2015 को आठ बैठकें आयोजित की और 28.05.2015 को जल संसाधन, न.वि. और गं.सं. मंत्रालय के सचिव को अपनी रिपोर्ट जमा की।	11.09.2015 को ज.सं., न.वि. और गं.सं. मंत्रालय, नई दिल्ली में माननीय मंत्री (ज.सं., न.वि. और गं.सं.) के समक्ष अंतःराज्यीय नदियों के अंतर्योजन के समूह की रिपोर्ट की प्रस्तुतीकरण पेश की गई। महानिदेशक, मुख्य अभियंता (मुख्यालय) और रा.ज.वि.अ. के वरिष्ठ अधिकारी गण प्रस्तुतीकरण में उपस्थित थे।
	झारखंड से संबंधित जल विज्ञान अध्ययनों के लिए अंतःराज्यीय लिंक पर रा.ज.वि.अ. के महानिदेशक की अध्यक्षता में एक समूह का गठन	झारखंड राज्य से संबंधित अंतःराज्यीय लिंक की प्रथम बैठक ज.वि.अ. के महानिदेशक के अध्यक्षता में 29.09.2015 को कें.ज.आ., नई दिल्ली में आयोजित हुई। मुख्य अभियंता (मुख्यालय) और रा.ज.वि.अ. और झारखण्ड सरकार के वरिष्ठ अधिकारी बैण्ड में उपस्थित	

		थे।	
	महानदी-गोदावरी लिंक की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (वि.प.रि.) के आयोजन और तैयारी के लिए मतैक्यता निर्माण की प्रक्रिया को तेज करने के लिए जल संसाधन, न.वि. और गं.सं. मंत्रालय और जल संसाधन विभाग, आंध्र प्रदेश और ओडिशा सरकार की संयुक्त समिति का गठन किया गया है।	महानदी-गोदावरी लिंक की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (वि.प.रि.) के आयोजन और तैयारी के लिए मतैक्यता निर्माण की प्रक्रिया को तेज करने और पोलावरम परियोजना से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए जल संसाधन, न.वि. और गं.सं. मंत्रालय और जल संसाधन विभाग, आंध्र प्रदेश और ओडिशा सरकार की संयुक्त समिति की प्रथम बैठक 2 जून 2016 को नई दिल्ली में विशेष सचिव, जल संसाधन, न.वि. और गं.सं. मंत्रालय की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी।	
	राजभाषा हिंदी की प्रगति और कार्यान्वयन **गृह मंत्रालय, राष्ट्रीय भाषा विभाग और ज.सं., न.वि. और गं.सं. मंत्रालय के तरफ से रा.ज.वि.अ. को राजभाषा हिंदी की प्रगति और कार्यान्वयन के लिए अब तक तेरह पुरस्कार मिले हैं।**	हाल में हिंदी के कार्यान्वयन के लिए गृह मंत्रालय के तरफ से रा.ज.वि.अ. को वर्ष 2012-13 के लिए उत्तरी क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार मिला है। निदेशक (तकनीकी) एवं सहायक निदेशक (राजभाषा) ने प्रथम घोषित किए जाने का प्रशस्ति प्रमाणपत्र प्राप्त किया । नई दिल्ली के अशोका होटल में 22.06.2015 को संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप-समिति द्वारा निरीक्षण बैठक में महानिदेशक, मुख्य अभियंता, रा.ज.वि.अ., निदेशक (तक) एवं रा.ज.वि.अ. के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया था। संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप-समिति की अनुवर्ती बैठक 30.07.2015 को रा.ज.वि.अ., नई दिल्ली में आयोजित हुई थी। 26.08.2015 को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, आर के पुरम, नई दिल्ली में महानिदेशक, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अध्यक्षता के तहत नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई थी। निदेशक (तक) इस बैठक में उपस्थित थे। राजभाषा हिंदी में उत्तम कार्य प्रगति के लिए भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा रा.ज.वि.अ. को वर्ष 2013-14 के लिए प्रथम पुरस्कार “राजभाषा कीर्ति” प्रदान किया गया महानिदेशक रा.ज.वि.अ. ने जिसे ग्रहण करने के लिए 14.09.2015 को	

		विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित राजभाषा पुरस्कार समारोह में प्राप्त किया । 31.03.2016 को रा.ज.वि.अ. (मुख्यालय), साकेत, नई दिल्ली में रा.ज.वि.अ. की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 114 वीं तिमाही बैठक आयोजित हुई थी। इस बैठक में रा.ज.वि.अ. के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित थे। इस बैठक में यूनिकोड का उपयोग और हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए कर्मचारियों के लिए इसके प्रशिक्षण पर चर्चा किया गया था। ज.सं., न.वि. और गं.सं.मं. की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 65 वीं तिमाही बैठक 10.06.2016 को ज.सं., न.वि. और गं.सं.मं., नई दिल्ली में आयोजित हुई थी ताकि सरकारी कार्यों में हिंदी भाषा के उपयोग को प्रोत्साहन और बढ़ावा दिया जा सके। 28.06.2016 को रा.ज.वि.अ. (मुख्यालय), नई दिल्ली में आयोजित रा.ज.वि.अ. की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 115 वीं बैठक में महानिदेशक, मुख्य अभियंता (मुख्यालय) एवं रा.ज.वि.अ. के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।	
	जल मंथन **20-22 नवम्बर, 2014 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 'जल मंथन' पर तीन दिवसीय सम्मलेन का आयोजन हुआ था, जो ज.सं., न.वि. और गं.सं.मं. का एक प्रमुख कार्यक्रम था।** (i) "जल मंथन" पर विचार विमर्श से सामने आने वाले कार्यवाही योग्य बिन्दुओं पर चर्चा करने के लिए आयोजित बैठक (ii) 09.12.2014 को ज.सं., न.वि. और गं.सं.मं., नई दिल्ली में श्री बी.एन. नवलावाला द्वारा गंगा संरक्षण कार्यक्रम आरंभ किया गया। **जल मंथन-2** 22-23 फरवरी, 2016 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 'जल मंथन-2' पर दो दिवसीय सम्मलेन का आयोजन हुआ था। पहले दिन निरंतर विकास के लिए नदी जलाशय दृष्टिकोण, भूमिगत जल प्रबंधन,	**रा.ज.वि.अ. ने "जल मंथन" – 1 के आयोजन हेतु तार्किक और अन्य सभी व्यवस्थाओं में रा.ज.वि.अ. ने सहायता प्रदान की।** प्रथम जल मंथन में सम्मलेन के दूसरे दिवस का विषय था नदियों के अंतर्योजन (न.के.अं.) का कार्यक्रम। इस कार्यक्रम में रा.ज.वि.अ. ने सक्रिय रूप से भाग लिया । ज.सं., न.वि. और गं.सं.मं. की ''जल मंथन-2'', 22-23 फरवरी, 2016 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित हुआ था। इस कार्यक्रम में रा.ज.वि.अ. ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम में महानिदेशक,	

	जल सुरक्षा, नदियों के अंतर्योजन इत्यादि पर मंत्रणा और चर्चा की गई थी, जबकि दूसरे दिन जल प्रबंधन, केंद्र और राज्य सरकारों के मध्य सहयोग, जल संरक्षण, जल प्रशासन में नवीनता और नदियों को जोड़ना इत्यादि चर्चा का विषय बना रहा।	मुख्य अभियंता (मुख्यालय) एवं रा.ज.वि.अ. के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।	
	रा.ज.वि.अ. के प्रकाशन	**1. वार्षिक रिपोर्ट** **2. जल विकास – आतंरिक तिमाही पत्रिका**	
	नदियों के अंतर्योजन (न.के.अं.) से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण बैठक	1. ज.सं., न.वि. और गं.सं.मं., नई दिल्ली में प्रति बुद्धवार माननीय मंत्री (ज.सं., न.वि. और गं.सं.) की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की जा रही है। रा.ज.वि.अ. नियमित रूप से बैठक में भाग ले लिया है। 2. रा.ज.वि.अ. के महानिदेशक ने श्री नवलावाला, मुख्य सलाहकार, ज.सं., न.वि. और गं.सं.मं. की अध्यक्षता में 02.06.2016 को ज.सं., न.वि. और गं.सं.मं., नई दिल्ली में आयोजित बैठक में उपस्थित हुए। 3. मुख्य अभियंता (मुख्यालय), रा.ज.वि.अ. ने 02.06.2016 को पर्यावरण भवन, जोर बाग़, नई दिल्ली में नदी घाटी और विद्युत परियोजनाओं के लिए विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (वि.मू.स.) की 94 वीं बैठक में अपनी उपस्थिति दर्ज की। 4. महानिदेशक, मुख्य अभियंता (मुख्यालय) और रा.ज.वि.अ. के वरिष्ठ अधिकारी 02.06.2016 को ज.सं., न.वि. और गं.सं.मं., नई दिल्ली संयुक्त समिति की प्रथम बैठक में उपस्थित थे, जो महानदी-गोदावरी लिंक के संबंध में थी। 5. महानिदेशक, मुख्य अभियंता (मुख्यालय), रा.ज.वि.अ. 15.06.2016 को पर्यायवरण भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले “पूर्व-मॉनसून जल संरक्षण उपायों” पर राष्ट्रीय वर्कशॉप में उपस्थित थे। 6. 16.06.2016 को संसद भवन, नई दिल्ली में ज.सं., न.वि. और गं.सं.मं. के स्थाई समिति के लिए मौखिक प्रमाण पर आयोजित बैठक में महानिदेशक, रा.ज.वि.अ. शामिल थे। 7. महानिदेशक, रा.ज.वि.अ. 24.06.2016	

		को के.ज.आ., नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सिंचाई और जल निकास आयोग (अं.सिं.ज.आ.) स्थापना दिवस सम्मलेन में उपस्थित थे।	